Ch-3

हंस और कछुआ

WORKSHEET

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. मुसीबत के समय क्या क्या करना चाहिए ?

उ- मुसीबत के समय हमें मौन रहना चाहिए, धैर्य से उस मुसीबत का उपाय सोचना चाहिए।

2. हमेशा सोच विचार करके कार्य क्यों करना चाहिए ?

उ- हमेशा सोच विचार करके कार्य करना चाहिए क्योंकि बिना सोच विचार करके कार्य सही से ~~करके~~ नहीं हो पाता और हमारा कार्य गलत भी हो सकता है।

3. बड़ों का निर्देश क्यों पालन करना चाहिए ?

उ- बड़ों का निर्देश पालन करना चाहिए क्योंकि बड़े जो भी बोलते है सही बोलते हैं और हमारे अच्छे के लिए बोलते हैं।

4. तालाब का नाम क्या था ?

उ- तालाब का नाम फुल्लोत्पल था।

5. हंस कितने थे ? उनका नाम क्या था ?

उ- दो हंस थे। एक का नाम संकट था और दुसरे का नाम विकट था।

6. हंस के मित्र कौन थे ?

उ- हंस के मित्र एक कछुआ था।

7. मछलियाँ कहाँ रहती थी ?

उ- मछलियाँ फुल्लोत्पल नामक तालाब में रहती थी।

8. कौन गुजर रहें थे ?

उ- कुछ मछुआरे गुजर रहे थे।

9. गाँव में शोर क्यों मच गया ?

उ- गाँव में शोर मच गया क्योंकि जब बच्चों ने कछुए को उड़ते हुए देखा तो शोर मचाने लग गए।

10. कौन आपस में बात करने लगे ?

उ- कुछ बच्चे आपस में बात करने लगे।

11. मैं इसे पकड़ लूँगा - कौन कहा ?

उ- यह वाक्य एक बच्चे ने कहा।

12. वाक्य बनाओ -
मौन - हमें मुसीबत के समय मौन रहना चाहिए।
देश - मेरे देश का नाम "भारत" है।
संकट - हमें संकट के समय धैर्य खोना चाहिए।
मित्र - मेरे बहुत सारे मित्र हैं।
मछलियाँ - मछलियाँ पानी में रहती हैं।

13. वचन बदलो -
मछली - मछलियाँ
लकड़ी - लकड़ियाँ
पतंग - पतंगे
मधुआ - मधुए

14. अनुच्छेद लिखिए -

पेड़ का महत्व

पेड़ पौधों का मानव जीवन में बहुत बड़ा महत्व होता है। पेड़ों को हरा सोना भी कहा गया है क्योंकि यह एक मूल्यवान सम्पदा है। पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वे हमें खाने के लिए फल, सब्जी, औषधियां तेल, मसाले, कपास ईंधन, कागज भी प्रदान करते हैं। पेड़ की जड़े मिट्टी को बाँधकर रखती है जिससे भूमि का कटाव नहीं होता। ये हमें गर्मी के प्रभाव से बचाते हैं और छाया प्रदान करते हैं। इनसे प्रकृति का सौंदर्य बढ़ता है। पेड़ों पर पक्षी घर बना कर रहते हैं। यह धरती पर वर्षा लाने में भी सहायक होता है। पेड़ों की लकड़ी से कुर्सी, मेज, दरवाजे आदि चीजें बनायी जाती हैं।

इसलिए इन्हें काटने की जगह इन्हें अधिक से अधिक मात्रा में लगाना चाहिए। जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी धरती पर टिक सके। इसलिए कहा गया है कि "वृक्ष प्रकृति का अनमोल रत्न है।"